



प्रगति, विकास और आशा सीएसआईआर समाचार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् का गृह बुलेटिन

वर्ष 10 अंक 11

www.csir.res.in

मार्च 2022

सीएसआईआर-निस्पर ने छात्र-वैज्ञानिक कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया

वैज्ञानिक अनुसंधान मानवता की सेवा के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। विज्ञान की कोई सीमा नहीं है और वैज्ञानिक होने के लिए जुनून एक शर्त है। पथ-प्रदर्शक खोजों और आविष्कारों के माध्यम से, वैज्ञानिक आम जनता की चुनौतियों का समाधान करते हैं।

सीएसआईआर-निस्पर (राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान) की निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने सीएसआईआर-निस्पर द्वारा आयोजित छात्र-वैज्ञानिक कनेक्ट प्रोग्राम में अपने उद्घाटन भाषण के दौरान

इन विचारों को साझा किया। यह कार्यक्रम सीएसआईआर के जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया

करियर बनाने के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को अपने स्वयं के वैज्ञानिक और शैक्षणिक करियर के अनुभवों से मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने बताया कि कैसे स्वदेशी समाधान विकसित करके देश की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को भी इसके बारे में भावुक



गया था जिसमें जयपुर, राजस्थान के 33 स्कूली छात्रों ने 3 नवंबर, 2022 को निस्पर, पूसा परिसर, नई दिल्ली का दौरा किया। छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, प्रो. अग्रवाल ने बुनियादी विज्ञान में

होने के लिए प्रोत्साहित किया। आगे अपने संबोधन में, प्रो. अग्रवाल ने कुछ प्रमुख उदाहरणों का हवाला दिया कि कैसे सीएसआईआर-निस्पर संचार नीति अनुसंधान का एक अनूठा मंच है



सीएसआईआर-निस्पर की निदेशक प्रोफेसर रंजना अग्रवाल ने छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया



डॉ. सुमन रे, सीएसआईआर-निस्पर की प्रधान वैज्ञानिक, छात्रों को अयूरवाटिका में पौधों के औषधीय गुणों के बारे में समझाते हुए



डॉ सुनीता गर्ग, एमेरिटस वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर के रॉ मेटेरियल हर्बेरियम की मुख्य विशेषताएं बताते हुये



छात्रों ने सीएसआईआर-निस्पर के लोकप्रिय विज्ञान प्रभाग का भी दौरा किया जहां से लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाएं विज्ञान रिपोर्टर और विज्ञान प्रगति लंबे समय से प्रकाशित हो रही हैं

जो वैज्ञानिक घटनाओं में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और इसी तरह के आधार पर, उन्होंने छात्रों को वर्तमान और भविष्य में भाग लेने के लिए कहा।

सीएसआईआर की जिज्ञासा पहल के अंतर्गत आयोजित छात्र-वैज्ञानिक कनेक्ट कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर-निस्पर के पूसा कैम्पस में राजधानी स्कूल, कंवरपुरा, जयपुर के शिक्षकों के साथ विज्ञान के छात्रों (कक्षा 11-12 वीं) की मेजबानी की गई। छात्रों को सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के योगदान और उन प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया गया जो हमारे दैनिक जीवन की गतिविधियों का एक हिस्सा हैं और उन्हें ऐसे एस एंड टी नवाचारों का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित

किया गया जो राष्ट्र निर्माण में योगदान करते हैं। श्री सी-बी सिंह, प्रमुख, जिज्ञासा, सीएसआईआर-निस्पर के प्रशिक्षण और मानव संसाधन प्रभाग ने जिज्ञासा के छात्र-वैज्ञानिक कनेक्ट कार्यक्रम के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि कैसे जिज्ञासा पूरे देश में विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के सहयोग से व्याख्यान, वेबिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ावा देने में योगदान देता है। श्री सिंह ने हाल ही में लॉन्च किए गए सीएसआईआर ऑनलाइन वर्चुअल लेबोरेटरी पोर्टल के महत्व पर जोर दिया जो मानव की रोजमर्रा की गतिविधियों को चलाने वाली

वैज्ञानिक घटना और अनुप्रयोगों के लिए सरलीकृत स्पष्टीकरण प्रदान करता है। श्री आर-एस. जयसोमु, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-निस्पर ने विज्ञान संचार में करियर से संबंधित अपनी बहुमूल्य वार्ता के साथ चर्चा को और आगे बढ़ाया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे सीएसआईआर-निस्पर समाज को वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करने में काम करता है और इस प्रकार यह एक अद्वितीय सीएसआईआर संस्थान है जो देश में शीर्ष सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित संगठनों में से एक है। उनके भाषण ने छात्रों को सीएसआईआर-निस्पर पत्रिकाओं 'विज्ञान प्रगति' और 'साइंस रिपोर्टर' से भी परिचित कराया। श्री जयसोमु ने

छात्रों को 'वेल्थ ऑफ इंडिया' विश्वकोश के बारे में भी जागरूक किया जो भारत के वनस्पतियों, जीवों और खनिज भंडार के विशाल ढेर से संबंधित प्रामाणिक ज्ञान प्रदान करता है।

डॉ. सुमन रे, प्रधान वैज्ञानिक और पीआई-जिज्ञासा, सीएसआईआर-निस्पर

ने वर्ष 1942 में सीएसआईआर के शामिल होने के बाद से विभिन्न सीएसआईआर प्रयोगशालाओं की उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

इसके बाद छात्रों ने परिसर में स्थित प्रिंटिंग सेक्शन, रॉ मेटेरियल हर्बेरियम और संग्रहालय सुविधाएं, अयूर वाटिका, लोकप्रिय विज्ञान

विभाग का दौरा किया।

इस अवसर पर निदेशक, सीएसआईआर-निस्पर ने सभी आने वाले छात्रों को विज्ञान प्रगति पत्रिका का विशेष अंक वितरित किया और छात्रों को भागीदारी के प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया।

सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की ने हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया

सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में हिन्दी दिवस 14 सितम्बर के उपलक्ष्य में 14 से 29 सितम्बर, 2022 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुवीर सिंह ने हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ ही हिन्दी पखवाड़े का भी शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डा. अंजन रे का संदेश सभी को पढ़कर सुनाया गया। डा. रे ने अपने संदेश में कहा कि हिन्दी हमारी संस्कृति और संस्कारों की जड़ है। अतः हिन्दी को अपनाएं और अपनत्व बढ़ाएं।

उद्घाटन के अवसर पर डॉ. सुवीर सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़े के दौरान सभी कर्मचारी अपना अधिक से अधिक काम हिन्दी में ही करें तथा इस दौरान आयोजित की रही प्रतियोगिताओं में कार्मिक बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी में राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक, पर्यावरण,

कम्प्यूटर तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न विषयों की पुस्तकें लगायी गई थीं। डा. सुशांत कुमार सेनापति, पुस्तकालय अधिकारी ने हिन्दी पुस्तक प्रदर्शनी के



संयोजक की भूमिका निभायी।

हिन्दी पठन प्रतियोगिता संस्थान में 'ग' क्षेत्र के कार्मिकों के लिए दिनांक 16 सितम्बर, 2022 को 'हिन्दी पठन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 20 से अधिक वैज्ञानिक, शोध छात्र तथा परियोजना सहायक सम्मिलित हुए।

प्रतियोगिता में कु. प्रियंका शर्मा, शोधार्थी को प्रथम, डॉ. राजेश दाश, वरिष्ठ परियोजना सहायक और श्री कौशिक पंडित, वरिष्ठ

वैज्ञानिक को द्वितीय, श्री साई तेजा, शोधार्थी और डॉ. श्रीनिवासराव नायक बी., प्रधान वैज्ञानिक को तृतीय तथा डा. नागेश बाबु बालम, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. प्रसांत कर, वैज्ञानिक, कु. मीनु सुनील, परियोजना सहायक तथा सुश्री अस्वथी एम.एस., वैज्ञानिक को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. सौमित्र मैती, प्रधान वैज्ञानिक इस प्रतियोगिता के संयोजक थे। डॉ. पी.सी. थपलियाल ने प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभायी।

संस्थान में 20 सितम्बर, 2022 को 'हिन्दी वाक प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भी 15 से अधिक कार्मिकों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार कु. पूजा ठाकुर, परियोजना एसोसिएट, द्वितीय पुरस्कार श्री हिमांशु शर्मा, वरिष्ठ तकनीनशियन, तृतीय पुरस्कार श्री सुशील कुमार, प्रधान तकनीकी अधिकारी तथा प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ. चन्दन स्वरूप मीणा, वैज्ञानिक एवं डॉ. किशोर कुलकर्णी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के



संयोजक की भूमिका श्री सूबा सिंह हिन्दी अधिकारी ने निभाई।

हिन्दी पखवाड़े के दौरान संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर सभागार में दिनांक 22 सितम्बर, 2022 को 'हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' आयोजित की गई। इसमें संस्थान के विभिन्न अनुभागों/समूहों को मिलाकर छह टीमों बनाई गई थीं।

इस प्रतियोगिता का प्रथम पुरस्कार श्री अमन कुमार, कु. मेधा, श्री शिवम त्यागी, कु. गीतिका तथा श्री नवीन निशांत की टीम को मिला। द्वितीय पुरस्कार श्री अजय द्विवेदी, श्री शुभम चौधरी, श्री नितीश राज चन्द्रा, श्री विनीत कुमार सैनी तथा डा. प्रदीप कुमार यादव की टीम को प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार के लिए डा. चन्दन स्वरूप मिणा, डा. नवल किशोर, डा. हेमलता, डा. राजकुमार और कु. भावना की टीम व डा. विना चौधरी, श्री रजत कुमार, कु. नेहा, कु. शिवी निगम और श्री अनुप कुमार प्रसाद की टीम संयुक्त विजेता रही।

इस प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार श्री वीपीएस रावत, कु. मीनू, डा. श्रीनिवासन राव नायक बी., कु. रूपाली और डा. प्रकाश चन्द थपलियाल की टीम और डा. राजेश कुमार वर्मा, डा. नीरज जैन, सुप्रिया टमटा, सुश्री हुमैरा अथहर और श्री अभिजीत की टीम को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के संयोजक की भूमिका डा. प्रदीप चौहान ने निभायी।

दिनांक 27.09.2022 को संस्थान के स्टाफ के बच्चों के लिए कविता पाठ और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए हिन्दी कवितापाठ में 15 से अधिक बच्चों ने बड़े रोचक ढंग से कविता पाठ किया।

इस प्रतियोगिता में कु. मायरा पुत्री श्री अर्पण महेश्वरी को प्रथम, कु. देवा हंसिनी पुत्री श्री श्रीनिवासराव नायक बी. को द्वितीय, मातक्ष पुत्र श्री आशीष पिप्पल को तृतीय तथा कु. प्रानवी सुपुत्री श्री रवीन्द्र बिष्ट को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। बच्चों

के वरिष्ठ वर्ग (कक्षा VI से X तक के हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में कु. अम्बरा पुत्री श्री अमन कुमार को प्रथम, कु. काव्या पुत्री श्री अर्पण महेश्वरी को द्वितीय, कु. कौशिकी पुत्री श्री अजय द्विवेदी को तृतीय तथा श्रद्धा पुत्री डॉ. उषा पुरोहित को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता के संयोजिका की भूमिका डा. हेमलता ने निभायी। निर्णायक की भूमिका रुड़की को प्रसिद्ध कवयित्री डॉ. प्रेरणा कौशिक ने निभायी।

संस्थान के रविन्द्रनाथ टैगोर सभागार में 29 सितम्बर, 2022 को हिन्दी पखवाड़े का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर धर्मेन्द्र सिंह, विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, मुख्य अतिथि थे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि अपने दिन-प्रतिदिन के कामकाज में सरल

हिन्दी का प्रयोग करें ताकि सभी उसे आसानी से समझ सकें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सुवीर सिंह ने भी कामिकों से अपना सरकारी कार्य अधिक से अधिक हिन्दी में करने का आह्वान किया। डा. प्रदीप चौहान ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। हिन्दी पखवाड़े के संयोजक एवं हिन्दी अधिकारी श्री मेहर सिंह ने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री परवेश चन्द ने सभी उपस्थित कार्मिकों, अतिथियों, छात्रों और बच्चों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर संस्थान की वार्षिक पत्रिका "निर्माणिका 2021-22" का विमोचन भी किया गया। संस्थान

में संचालित सरकारी कामकाज मूल रूप से हिन्दी में करने के लिए प्रो. साहन योजना के पुरस्कार भी प्रदान किये गए।

श्री सुशील कुमार, वरिष्ठ तकनीशियन और श्री सुधीर कुमार, सहायक अनुभाग अधिकारी को प्रथम पुरस्कार, श्री सुभाष चन्द, लैब सहायक को द्वितीय, सुश्री गायत्री देवी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी और श्री अमित कुमार, एमटीएस को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

इसके अलावा संस्थान में वैज्ञानिक एवं तकनीकी कामकाज हिन्दी में करने वाले वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्री इतरत अमीन सिद्दिकी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी को प्रथम, डा. अतुल कुमार अग्रवाल, मुख्य वैज्ञानिक को द्वितीय, श्री सुशील कुमार,

प्रधान तकनीकी अधिकारी को तृतीय तथा श्री राकेश कुमार, प्रधान तकनीकी अधिकारी, डॉ. सुशांत कुमार सेनापति, प्रधान तकनीकी अधिकारी, डा. विनीत कुमार सैनी, प्रधान वैज्ञानिक तथा डा. नीरज जैन, प्रधान वैज्ञानिक को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए।

हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत पहली बार Valley of Words – साहित्य सम्मेलन में विभिन्न लेखकों के साथ संस्थान के राजभाषा प्रभारी डा. प्रदीप चौहान ने उनकी साहित्यिक रचनाओं पर समीक्षात्मक चर्चा की।

हिन्दी पखवाड़ा आयोजन में डॉ. पी. सी. थपलियाल, डॉ. एस.के. सेनापति, डॉ. किशोर कुलकर्णी, डॉ. हेमलता, डॉ. सौमित्र मैती, श्री राजीव बंसल, श्री किरणपाल, श्री देवेन्द्र कुमार आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

सीएसएमसीआरआई, भावनगर में हिन्दी सप्ताह हर्षोल्लास से मनाया गया

सीएसआईआर-केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान

संस्थान (सीएसएम-सीआरआई), भावनगर में हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 22.09.2022 से 28.09.2022 के दौरान विविध प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा हिन्दी सप्ताह हर्ष एवं उल्लास से साथ मनाया गया। इस दौरान प्रतिदिन इंटरनेट द्वारा

ऑनलाइन हिन्दी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रथम तीन मिनट के अंदर

सही जवाब देने वाले सभी प्रतिभागियों को तत्काल पुरस्कृत किया गया। दिनांक

22.09.2022 से

28.09.2022 के दौरान शब्दावली/ तस्वीर क्या बोलती है?/ हिन्दी गायन/ कविता पाठ/ अंताक्षरी तथा समाचार वाचन/ यादगार प्रसंग प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं।

दिनांक 29.09.2022 को हिन्दी सप्ताह समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें



पूर्वाह्न 10.15 से 11.15 बजे तक संस्थान के सभागृह में ऑडियो/विडियो प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित कर्मचारियों ने बड़-चढ़ कर उत्साहपूर्वक भाग लिया और सही उत्तर देने वालों को तत्काल पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी, निदेशक, सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश आमंत्रित थे। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कान्ति भूषण पाण्डेय के द्वारा स्वागत के साथ समारोह का प्रारंभ किया गया। संस्थान के वरिष्ठतम वैज्ञानिक डॉ. बिश्वजीत गांगुली ने अपना उद्बोधन हिन्दी एवं राजभाषा विषय पर दिया। मुख्य अतिथि ने राजभाषा हिन्दी के स्वाभाविक तथा सहज उपयोग की अनिवार्यता बताते हुए सभी से राजभाषा का सम्मान करने का अनुरोध किया। उन्होंने आगे बताया कि औषधीय एवं सगंध पौधों के विकास, इन कार्यों में जुड़े हुये कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षण प्रदान कराना तथा हिन्दी एवं मातृभाषा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाना है। उन्होने कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम हमारी भाषाओं को माध्यम बनाकर विज्ञान की गरिमामय विरासत के बारे में आनेवाली पीढ़ियों को जानकारी दें तथा उनके मन में हमारी भाषा, संस्कृति के प्रति सम्मान, गौरव की भावना जगाएँ।

समारोह में सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। राजभाषा के प्रति नई पीढ़ी की रुचि बढ़ाने तथा उनके उत्साहवर्धन हेतु कक्षा 1 से 12 तक हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया तथा वर्ष के दौरान अधिक से अधिक हिन्दी कार्य का



प्रयोग करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार दिये गये। इस वर्ष हिन्दी कार्यान्वयन में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास करने के लिए डॉ. कमलेश कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, विभागाध्यक्ष-एनपीजीसी एवं बीडीआईएम श्री भोला आजाद, भंडार एवं क्रय अधिकारी, श्री संजय डी. चौहान, अनुभाग अधिकारी को सम्मानित किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. कन्नन श्रीनिवासन ने अपनी सरल शैली में बताया कि हिन्दी का उपयोग सभी क्षेत्रों में सहज एवं स्वाभाविक रूप से होना चाहिये। दैनिक कार्यों में हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग से ही देश का विकास संभव है। उन्होंने आगे कहा कि भाषा के सम्मान के लिए

दिन, सप्ताह, माह के कार्यक्रमों की आवश्यकता नहीं बल्कि प्रत्येक दिन हिन्दी दिवस को मानकर सहज रूप से रोजमर्रा के कार्यों में राजभाषा हिन्दी का सरल उपयोग करके उसे तथा देश को गौरव प्रदान किया जा सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. कन्नन श्रीनिवासन ने सभी क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के प्रयोगों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का समापन प्रशासन नियंत्रक श्री सुभाष चंद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से किया गया। उन्होंने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की सराहना करते हुए हिन्दी विभाग को बधाई दी।

सीएसआईआर-सीरी में 70 वें स्थापना दिवस का भव्य आयोजन

विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सेवारत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की पिलानी, राजस्थान स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के 70वें स्थापना दिवस का आयोजन, 21 सितंबर, 2022 को किया गया। इस अवसर पर आईआईटी-दिल्ली के इमेरिटस प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर मुख्य अतिथि थे। आईआईएससी-बैंगलूरु के प्रोफेसर के राजन्ना समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आयोजन की अध्यक्षता सीएसआईआर-

सीरी के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने संस्थान में 10, 20, 30 एवं 35 वर्ष की सेवा देने वाले सहकर्मियों को सेवा पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त मुख्य अतिथि ने संस्थान के सहकर्मियों को डॉ अमरजीत सिंह स्मारक स्थापना दिवस उत्कृष्टता पुरस्कारों से भी सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व व वर्तमान सहकर्मियों के अलावा पूर्व निदेशक डॉ चंद्रशेखर, बिट्स पिलानी के रजिस्ट्रार कर्नल सौम्य चक्रवर्ती, स्थानीय शिक्षण व अन्य संस्थानों के

गणमान्य अतिथियों तथा मीडिया कर्मियों के अतिरिक्त पिलानी के नागरिक भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से हुआ जिसके बाद सीरी महिला क्लब की सदस्यों

में उन्होंने जनशक्ति के उचित प्रबंधन के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ पंचारिया की ऊर्जा व नवोन्मेषी विचारों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सीरी संस्थान की शोध व विकास सुविधाओं के उन्नयन का जो बीड़ा उठाया है उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने वै. ज्ञानिक समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि शोध एवं विकास के लिए देश में धनराशि की कोई कमी नहीं है और नवाचारी विचारों का हर स्तर पर स्वागत किया जाता है। उन्होंने संस्थान की वैज्ञानिक जनशक्ति की प्रशंसा की। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को

बधाई दी तथा सीरी के निदेशक व सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर के राजन्ना ने इस अवसर पर स्वयं को आमंत्रित करने के लिए सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पंचारिया के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर-सीरी के स्थापना दिवस पर आकर मुझे सुखद अनुभूति हुई है। अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने डॉ पंचारिया के नेतृत्व में सीएसआईआर-सीरी में चल रहे शोध कार्यों की प्रशंसा की। अंत में उन्होंने सीरी



द्वारा सरस्वती वंदना की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने संस्थान के सहकर्मियों को 70वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने अथक परिश्रम द्वारा संस्थान की उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए सभी पूर्व निदेशकों व पूर्व कर्मिकों के साथ वर्तमान सहकर्मियों को साधुवाद दिया। अपने स्थापना दिवस उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विज्ञान व प्रौद्योगिकी में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं और हमारे लिए भी स्वयं को उसके अनुसार बदलना या अपडेट करना अनिवार्य है। अपने संबोधन

के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सीरी परिवार के सभी साथियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया और सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और संस्थान के सहकर्मियों को संस्थान के 70वें स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों एवं सहकर्मियों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का औपचारिक परिचय दिया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने संस्थान द्वारा गतवर्ष के दौरान अर्जित विशिष्ट उपलब्धियों तथा वर्तमान में जारी शोध परियोजनाओं की जानकारी दी और भविष्य की योजनाओं का रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय परिदृश्य निर्णायक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है और बदलते हुए इस परिदृश्य के कारण संस्थान से अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। अपने संबोधन में उन्होंने विगत वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों व पूर्ण की गई परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने जयपुर स्थित इनोवेशन-सह-इन्क्यूबेशन केन्द्र में जारी शोध एवं अन्य गतिविधियों की भी संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने संस्थान के उद्देश्यों की प्राप्ति में चन्नै व जयपुर केंद्र सहित अपने सभी वैज्ञानिक एवं अन्य साथियों के योगदान की सराहना की तथा पूर्व निदेशकों व सहकर्मियों के योगदान को भी याद किया। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों व सहकर्मियों को पुनः स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामना दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर ने सहकर्मियों को डॉ अमरजीत सिंह मेमोरियल स्थापना दिवस उत्कृष्टता पुरस्कारों से सम्मानित किया। साथ ही

संस्थान में 10, 20, 30 तथा 35 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले सहकर्मियों को सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह पुरस्कार संस्थान में शोध एवं विकास कार्यों सहित अन्य क्रियाकलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सहकर्मियों/समूहों को पाँच श्रेणियों में प्रदान किया गया। डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने विजेताओं की घोषणा की।

सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ पंचारिया ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को संस्थान की ओर से शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर के राजन्ना ने संस्थान की शोध गतिविधियों से संबंधित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान की शोध उपलब्धियों एवं डॉ पंचारिया के नेतृत्व में संस्थान में चल रहे शोध कार्यक्रमों व परियोजनाओं के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी से जुड़े सभी वैज्ञानिकों एवं अन्य साथियों की सराहना की तथा डॉ पंचारिया को उनके नेतृत्व के लिए साधुवाद दिया।

अंत में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ अभिजीत कर्माकर ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों का संस्थान में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया तथा आयोजन की सफलता के लिए निदेशक महोदय के मार्गदर्शन में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम का संचालन



संस्थान के प्रधान वैज्ञानिकों डॉ विपांत एवं डॉ अदिति ने किया।

सायंकाल में अतिथियों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें झुंझुनूं के सुप्रसिद्ध सांस्कृतिक गुप "डेजर्ट चौपाटी" के कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोकगीतों एवं लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना की। मुख्य अतिथि ने सांस्कृतिक संध्या कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इस प्रकार संस्थान का 70वाँ स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी), नागपुर में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2022

सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, नागपुर में दिनांक 14 से 30 सितम्बर, 2022 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह पखवाड़ा ऑफलाइन तथा ऑनलाइन (डिजीटल) माध्यम से मनाया गया। राजभाषा प्रचार-प्रसार एवं कार्यालय के दैनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि करना इसका उद्देश्य था।

इस पखवाड़े का शुभारंभ बुधवार, दिनांक 14 सितम्बर, 2022 को संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी.एल.बोधे के अध्यक्षीय संबोधन से हुआ। डॉ. हर्षवर्धन सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता की जानकारी दी गई, जिसमें चित्र पर आधारित कहानी लेखन, हिन्दी निबंध, तात्कालिक कविता लेखन, हिन्दी हस्तलिपि, तात्कालिक भाषण, अनुवाद, खुली वाद-विवाद प्रतियोगिता, कथा-कथन तथा मुहावरों की कहानी जैसी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुल 08 प्रतियोगिताओं में संस्थान के सभी वर्गों से प्रतिभागिता थी जिसमें संस्थान के वैज्ञानिक तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ परियोजना सहायक, प्रशिक्षु विद्यार्थी भी बढ़-चढ़ कर सहभागी हुए।

प्रतियोगिता के परिणामों की जांच हेतु समन्वयक के रूप में संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों जिसमें मुख्यतः डॉ. हर्षवर्धन सिंह, वरिष्ठ प्रधान

वैज्ञानिक डॉ. रिमा बिस्वास, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. शालिनी ध्यानी, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी.के. खडसे, वरिष्ठ वैज्ञानिक इजि. पियुष कोकाटे, वैज्ञानिक श्री सौरभ मुळे, हिन्दी अनुवादक श्री यूएम. टाकलीकर, निजी

सचिव का सहयोग प्राप्त हुआ। तात्कालिक कविता लेखन प्रतियोगिता हेतु निर्णायक के रूप में आर्डिनेंस फ़ैक्ट्री, अम्बाझरी, नागपुर के सेवानिवृत्त हिंदी अधिकारी डॉ. अशोक कुमार सोनी को मनोनीत किया गया था।

दिनांक 27 सितम्बर, 2022 को निदेशक महोदय के करकमलों द्वारा "पर्यावरणीय साक्षरता" हिंदी पत्रिका का विमोचन किया गया। पत्रिका विषयक जानकारी देते हुए निदेशक महोदय पर्यावरणीय साक्षरता को जनमानस तक पहुँचाने हेतु इस पहल का स्वागत किया।

दिनांक 28 सितम्बर 2022 को संस्थान एवं वी.एम.वी. महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "समाकालीन हिंदी साहित्य में पर्यावरण विमर्श" इस विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी में कुल 100 विद्यार्थियों के साथ-साथ 130 शिक्षक एवं शिक्षकेतर भी लाभान्वित हुए। शुक्रवार, दिनांक 30 सितम्बर, 2022 को हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दैनिक भास्कर के समूह संपादक श्री प्रकाश दुबे, इस समारोह के



मुख्य अतिथि थे अपने अभिभाषण में हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए नीरी द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता की सराहना की और पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी साथ ही हिंदी को दैनंदिन आचरण में लाने का आग्रह किया।

संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. अतुल एन. वैद्य द्वारा पखवाड़ा आयोजन हेतु राजभाषा एकक के प्रयास को सराहा गया पखवाड़े के दौरान विमोचित "पर्यावरणीय साक्षरता" के हिंदी अंक को जनमानस तक पहुँचाते हुए देश के सभी नागरिकों को पर्यावरण की साक्षरता की चेतना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अगले भाग में संस्थान में वर्ष 2021-22 में सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु निम्नानुसार संस्थान की चल-वैजयंती प्रदान करके की गई। इसके अतिरिक्त सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु भारत सरकार की प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अंतर्गत निम्नानुसार पुरस्कारों की घोषणा की गई

डॉ. हर्षवर्धन सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक द्वारा इस समापन समारोह का धन्यवाद ज्ञापन किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन

श्री मनदीप पुनिया, परियोजना सहायक द्वारा किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान संपूर्ण सचिवालयीन कार्य श्री यू.एम. टाकलीकर,

प्रभारी, राजभाषा एकक तथा श्री सौरभ अ. मुळे, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने सफलतापूर्वक किया।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) में राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन

सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) में दिनांक 14-30 सितंबर, 2022 के दौरान हिन्दी पखवाड़ा समारोह आयोजित किया गया। हिन्दीय पखवाड़े के अंतर्गत राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दृष्टि से विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं, हिंदी संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें एनसीएल के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों एवं शोध छात्रों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग लिया।

दिनांक 14 सितंबर, 2022 को हिंदी निबंध प्रतियोगिता, दिनांक 16 सितंबर, 2022 को पोस्टर प्रतियोगिता, दिनांक 19 सितंबर, 2022 को सुलेख शुद्ध लेखन प्रतियोगिता, दिनांक 20 सितंबर, 2022 को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, दिनांक 21 सितंबर, 2022 को काव्य पाठ प्रतियोगिता, दिनांक 22 सितंबर, 2022 को शब्द ज्ञान प्रतियोगिता एवं दिनांक 23 सितंबर, 2022 को नगर स्तर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता इत्यादि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

दिनांक 21 सितंबर, 2022 को आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि कवि तथा निर्णायक के रूप में श्री सचिन

मेहरोत्रा, अनुभाग अधिकारी, सीएसआईआर-केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर उपस्थित थे। कार्यक्रम में श्री कौशल कुमार, प्रशा. अधिकारी, हिंदी पखवाड़ा समिति के अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन पोक, (वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक) एवं डॉ. (श्रीमती) स्वाति चट्ठा, हिंदी अधिकारी



साथ में डॉ. हर्षवर्धन पोक, श्रीमती पी. सुधारानी एवं श्री कौशल कुमार उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन हिन्दी अधिकारी

उपस्थित थे।

दिनांक 23 सितंबर, 2022 को नगर स्तर पर "क्या माता-पिता की व्यवसायिक व्यवस्था बच्चों के विकास में बाधक है" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में श्री संजय भारद्वाज, अध्यक्ष, हिंदी आंदोलन परिवार, पुणे मुख्य अतिथि तथा निर्णायक के रूप में उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में नगर स्तर के विभिन्न केन्द्रीय संस्थानों से कुल 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

दिनांक 30 सितंबर, 2022 को पुरस्कार

वितरण तथा एनसीएल आलोक पत्रिका विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. के. एस. होसाकीकर (प्रमुख, आईएमडी), पुणे उपस्थित थे। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में मुख्य वैज्ञानिक डॉ. उल्होस खारूल उपस्थित थे तथा मंच पर डॉ. (श्रीमती) स्वाति चट्ठा ने किया।

इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम में कुल 7 प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या में स्टाफ सदस्यों एवं शोध छात्रों ने भाग लिया।

संपूर्ण पखवाड़ा आयोजन में राजभाषा आयोजन समिति के सदस्य श्री कौशल कुमार, श्री एस.एस. देव, डॉ. विवेक बोरकर, श्री सुभाषचंद्र मिश्र, श्री गोपाल महंता ने अपना महत्वपूर्ण सहभाग दिया। इस प्रकार संस्थान में हिंदी पखवाड़ा समारोह मनाया गया।

सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून में हिंदी माह-2022 के अंतर्गत हिन्दी साहित्य सम्मेलन का आयोजन

सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान देहरादून द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 1 सितंबर से 30 सितंबर 2022 तक हिंदी माह मनाया गया। इसके अंतर्गत संस्थान के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों तथा अनुबंध अंतर्गत अस्थाई कर्मचारियों व शोध छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष इन प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों में आयोजित किया गया। कर्मचारी ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में सक्रियता से भाग लें इस हेतु उनके सहयोगार्थ आवश्यक ऑनलाइन हिंदी टूल्स जैसे यूनिकोड सक्रिय करना, ई-मेल में हिंदी भाषा टंकण तथा कंप्यूटर और मोबाइल पर हिंदी में श्रुत टंकण के प्रयोग आदि से सम्बद्ध लघु वीडियो/प्रस्तुति सभी कर्मचारियों के साथ ईमेल और व्हाट्सएप पर साझा किए गए।

हिंदी माह, 2022 का शुभारंभ निदेशक महोदय के शुभकामना संदेश तथा ऑनलाइन दैनिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ हुआ। इस ऑनलाइन दैनिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिदिन एक लिंक के माध्यम ई-मेल/व्हाट्सएप द्वारा एक प्रश्न पूछा जाता था जिसका उत्तर उन्हें ऑनलाइन गूगल प्रपत्र पर ही देना होता था। मुख्यतः इसमें पूछे जाने वाले प्रश्न हिंदी भाषा, हिन्दी साहित्य, राजभाषा नियम और राजभाषा कार्यान्वयन आदि से संबंधित थे तथा प्रतिभागी को



राजभाषा विभाग की वेबसाइट अथवा गूगल पर इनके उत्तर खोजने की छूट होती है। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को इन प्रश्नों के उत्तर देने तथा अपना निजी विवरण भरने हेतु अनिवार्यतः हिंदी भाषा का ही प्रयोग करना होता है। इस प्रतियोगिता में लगभग 70 कर्मचारियों ने भाग लिया। कुल 15 प्रश्न पूछे गए थे। यह प्रतियोगिता संस्थान की हिंदी की सर्वाधिक लोकप्रिय प्रतियोगिता है। संस्थान हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति और प्रयोग तथा प्रभावी राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में संस्थान में 14 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस के उपलक्ष में निदेशक, आईआईपी द्वारा सभी वैज्ञानिकों/अधिकारियों कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की गई और उन्होंने इसका एक उदाहरण भी स्थापित किया अपना हिन्दी दिवस शुभकामना संदेश व्हाट्सएप पर हिन्दी में भेजा और सभी से हिन्दी और भारतीय भाषाओं के अधिकाधिक प्रचार-प्रसार और प्रयोग करने के लिए

कहा। दिनांक 8 सितंबर, 2022 को संस्थान एमटीएस एवं समकक्ष कर्मचारियों के भाषा कौशल में वृद्धि के उद्देश्य से एक चित्र वर्णन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को दो समूहों में आयोजित किया गया जिसमें पहला समूह केवल ग्रुप सी (एमटीएस/तकनीशियन I और II) के लिए एवं दूसरा समूह संस्थान में कार्यरत अनुबंध (अस्थाई) कर्मियों जैसे कि सुरक्षा कर्मी, सफाई कर्मी तथा अतिथि गृह परिचारक आदि के लिए किया गया। इसके अतिरिक्त हिन्दी दिवस के अवसर पर दिनांक 14 सितंबर, 2022 को एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें उतराखंड के सदर्थ में परंपरा, पर्यावरण और पलायन विषय रखे गए थे। इस निबंध प्रतियोगिता का माध्यम ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही रखा गया था। इसके अतिरिक्त इस वर्ष वैज्ञानिक अनुसंधान की हिन्दी में प्रस्तुति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अनुभाग/प्रभाग मुख्य अनुसंधान लघु वीडियो

प्रतियोगिता भी रखी गई। इसमें 2-3 मिनट का एक अनुभाग/प्रभाग के मुख्य अनुसंधान संबंधी हिन्दी भाषा में एक लघु वीडियो अपेक्षित था। वैज्ञानिकों तथा तकनीकी कर्मचारियों ने इसमें बहुत ही उत्साह से भाग लिया।

इस वर्ष संस्थान द्वारा हिन्दी माह 2022 के दौरान दिनांक 29-30 सितंबर, 2022 को वैली ऑफ वर्ड्स के तत्वाधान में दो दिवसीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन का भी सफल आयोजन किया गया यह सम्मेलन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए प्रख्यात साहित्यकारों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप किशोर शास्त्री, कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार थे तथा प्रसिद्ध कवि श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी इस सम्मेलन के अध्यक्ष थे। इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा डॉ जयति त्रिवेदी द्वारा स्वरचित सरस्वती वंदना के पाठ के साथ हुआ। इसके पश्चात संस्थान के निदेशक डॉ अंजन रे ने मुख्य अतिथि, सभी अतिथि लेखकों, गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड साहित्य सृजन की भूमि है। उन्होंने कहा कि हिन्दी माह है और हिन्दी साहित्य को समर्पित यह सम्मेलन है, इसलिए वैली ऑफ वर्ड्स नहीं हम इसे 'शब्दा-वैली' कहेंगे। शब्दा-वैली (वैली ऑफ वर्ड्स) के

संस्थापक डॉ. संजीव चोपड़ा ने शब्दा-वैली और इस साहित्य सम्मेलन का तथा आए हुए सभी प्रतिष्ठित अतिथि लेखकों और साहित्यकारों परिचय देकर इस सम्मेलन की विधिवत शुरुआत की। उन्होंने हिन्दी साहित्य सम्मेलन के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि शब्दा-वैली नई साहित्यिक रचनाओं को पहचान देता रहा है और नवागत साहित्यकारों को सम्मानित



करता है। मुख्य अतिथि प्रो रूप किशोर शास्त्री ने अपने संबोधन में आईआईपी एवं शब्दा-वैली को इतने व्यापक आयोजन के लिए बधाई दी एवं हिन्दी और संस्कृत साहित्य की अपार संभावनाओं से सभी को अवगत कराया। इस दो दिवसीय साहित्य सम्मेलन में कई महान लेखकों, अनुवादकों, वार्ताकारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें कई नए साहित्यकार भी शामिल थे। प्रथम सत्र में श्री देव दत्त पटनायक विरचित पुस्तक धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के अनुवादक श्री मिहिर सासवडकर से मुख्य अतिथि प्रोफेसर रूप किशोर शास्त्री ने स्वयं वार्ता की और वर्तमान समय में पुस्तक के महत्व पर भी विचार व्यक्त किए।

इस सत्र में पत्रिका तद्भव का विमोचन भी किया गया और सत्र के अंत में इस सम्मेलन संबंधी एक प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई।

दिनांक 30 सितंबर 2022 को सम्मेलन के दूसरे दिन कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रख्यात साहित्यकारों की साहित्य रचनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रमुख रचनाकारों में श्रीमती ममता कालिया, सुजाता, आशीष कौल, सुमति सक्सेना लाल, शिरीश खरे, शिप्रा पांडे एवं वार्ताकार के रूप में ममता किरण, आईआईपी के निदेशक डॉ अंजन रे, डॉ दिनेश चमोला, श्री सुशील उपाध्याय, श्री सोमेश्वर पाण्डेय और श्री सचिन चौहान उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में जो साहित्यकार भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हुए उनसे ऑनलाइन अथवा प्री-रिकॉर्डेड वार्ता भी आयोजित की

गई। सुश्री ममता कालिया, सुश्री सुजाता एवं श्री नवीन चौधरी, श्री आशीष कौल की रचनाओं – क्रमशः जीते जी अला. हाबाद, आलोचना का स्त्री पक्ष, ढाई चाल एवं दिहाय कश्मीर की योद्धा रानी आदि पर वार्ता की गई। इन सत्र के मुख्य वार्ताकार में सुश्री ममता किरण, डॉ दिनेश चमोला एवं डॉ अंजन रे शामिल हुए। अन्य रचनाकारों की रचनाओं पर चाय अंतराल के उपरांत चर्चा की गई। सुश्री सुमति सक्सेना लाल की रचना 'वे लोग' एवं सुश्री शिप्रा पांडे की पुस्तक 'कुछ अनसुनी फौजी कहानियाँ' पर ऑनलाइन चर्चा की गई तथा श्री शिरीश

खरे जी के साथ उनकी पुस्तक 'एक देश बारह दुनिया' पर वार्ता की गई। इस कार्यक्रम में आईआईपी के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्थानीय विश्वविद्यालय अथवा कालेज के छात्र भी उपस्थित थे तथा उन्होंने अपनी-अपनी रुचि और जिज्ञासा के अनुरूप सम्बद्ध लेखकों से प्रश्न भी किए। इस सम्मेलन के दौरान एक काव्य पाठ का भी आयोजन किया गया जिसमें अतिथि

रचनाकारों के अतिरिक्त आईआईपी के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा शब्दा-वैली के वॉलंटियर्स – काव्यांजली के युवा रचनाकारों द्वारा भी कविता-पाठ किया गया। इस अवसर पर हिन्दी माह 2022 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इस साहित्य सम्मेलन के समन्वयक श्री सोमेश्वर पाण्डेय, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, आईआईपी द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद

ज्ञापन के साथ यह हिन्दी साहित्य सम्मलेन तथा हिन्दी माह-2022 सम्पन्न हुआ। श्रीमती पूर्णिमा अरोड़ा, प्रशासन अधिकारी, श्री जितेंद्र कुमार चौरसिया, वित्त एवं लेखा नियंत्रक, श्री सुरेश पंत, भंडार एवं क्रय नियंत्रक, श्री भारत भूषण, डॉ जी डी ठाकरे, डॉ अनिल जैन, श्रीमती पूनम गुप्ता, श्री सूर्यदेव तथा श्री देवेन्द्र राय और श्री सचिन ने इस आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर द्वारा हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित



प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), जमशेदपुर द्वारा दिनांक 01 सितम्बर से 09 सितम्बर, 2022 तक "हिन्दी सप्ताह समारोह" का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों, नाटक मंचन, प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल), जमशेदपुर के सलाहकार प्रबंधन डॉ. अरविन्द सिन्हा ने कहा कि हिन्दी संसार की सबसे सरल भाषा है। इसका मुख्य कारण यह है कि वह जैसी बोली जाती है, वैसी ही लिखी जाती है। देश की स्वतंत्रता के बाद हिन्दी को भारत की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त हुआ। हिन्दी आदिकाल से ही अपनी आंतरिक

ऊर्जा से सरलता, सहजता, बोधगम्यता और समन्वय की भावना से निरंतर प्रगति करती रही है। राजभाषा हिन्दी ने कभी भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने की पहल नहीं की, अपितु सबको लेकर चलना ही इसकी संस्कृति की विशिष्टता है।

प्रयोगशाला के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी (प्रवर कोटि), डॉ. पुरुषोत्तम कुमार ने इस अवसर पर भारत सरकार की

राजभाषा नीति पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला और संविधान द्वारा निर्धारित राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेदों की सरल, सहज और संप्रेष्य रूप से व्याख्या प्रस्तुत की। साथ-ही-साथ राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वार्षिक कार्यक्रम 2022-23 पर भी चर्चा की।

इस समारोह में सीएसआईआर-एनएमएल के विभिन्न प्रभाग तथा अनुभाग के कार्मिकों परियोजना सहायकों एवं शोधार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सभी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। इस समारोह में सभी कार्मिकों ने पूरी तन्मयता और निष्ठा के साथ भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।



सीएसआईआर-आईएमएमटी, भुवनेश्वर ने हिंदी पक्ष समारोह 2022 का आयोजन किया

सीएसआईआर-आईएमएमटी भुवनेश्वर ने 27 सितंबर 2022 को संस्थान के परिसर में सीएसआईआर, नई दिल्ली के मूल निकाय का 81वां स्थापना दिवस मनाया।

आईएमएमटी में स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन आईएमएमटी के निदेशक प्रो सुधासत्व बसु के स्वागत भाषण से हुआ।

सभा को संबोधित करते हुए आईएमएमटी के निदेशक प्रो सुधासत्व बसु ने कहा कि, सीएसआईआर ने कोविड-19 के दौरान आधुनिक भारत और भारतीय समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें विनिर्माण से लेकर वायरस के लिए



जीनोमिक अध्ययन और ऊर्जा स्रोतों पर अनुसंधान आदि के लिए कई विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

हम गहरे महासागर से प्राप्त होने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्रियों पर भी शोध कर रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय मुख्य अतिथि, सुधाकर पंडा, निदेशक, एनआईएसआईआर-भुवनेश्वर ने कहा कि हमें नई पीढ़ी को शिक्षा में लचीलेपन की अनुमति देनी चाहिए और अपनी जिम्मेदारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। हमें नई शिक्षा नीति का लाभ उठाना चाहिए।

इस अवसर पर अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हिन्दी पत्रिका 'अभिव्यक्ति' का विमोचन किया गया।

सम्मानित अतिथि, प्रोफेसर रामकृष्ण आर सोंडे, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी-दिल्ली ने 'उच्च राख कोयला गैसीकरण पर अवसरों और चुनौतियों के अगले दशक' पर स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।

इस अवसर के अतिथियों ने सीएसआईआर-आईएमएमटी में विभिन्न सुविधाओं का दौरा किया और प्रमुख प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शनों को देखा।

आईएमएमटी ने केले के अपशिष्ट



बायोमास से पोटैश समृद्ध बायोचार की प्रौद्योगिकी के लिए जयदेव केला किसान और कारीगर एसोसिएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और इसे

बाजार में उपलब्ध कराया है। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अशोक कुमार साहू, मुख्य वैज्ञानिक, अध्यक्ष, सीएसआईआर स्थापना दिवस आयोजन समिति ने किया, उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया।

सीएसआईआर-एनसीएल ने दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया

सीएसआईआर-एनसीएल में दिनांक 24-25 अगस्त, 2022 को दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। दिनांक 24 अगस्त, 2022 को कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मंच

पर अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. ओमकार नाथ शुक्ल (सेवानिवृत्त हिन्दी अधिकारी, आईआईटीएम, पुणे) तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में डॉ. आशीष लेले (निदेशक, एनसीएल), श्री विनय कुमार (क्रय एवं भंडार

नियंत्रक) श्रीमती पूजा कुलकर्णी, (प्रशासन नियंत्रक), एवं श्रीमती पी. सुधा रानी (प्रशासन नियंत्रक) उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. स्वाति चट्ठा (हिन्दी अधिकारी) ने कार्यशाला के उद्देश्य

के बारे में जानकारी देते हुए प्रस्तावना प्रदान की तथा अतिथि वक्ता का परिचय प्रदान किया। तत्पश्चात निदेशक डॉ. लेले ने अतिथि वक्ता डॉ. ओमकार नाथ शुक्ल का स्वागत किया। निदेशक लेले ने सबको संबोधित करते हुए कहा कि "इस दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला के विषय एकदम नए, अत्यंत उपयोगी तथा लीक से हट कर रखे गए हैं, जो बहुत अच्छी बात है।" उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को इन विषयों पर हुई चर्चा का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात कार्यशाला आरंभ की गई। सर्वप्रथम श्री कौशल कुमार (प्रशा. अधिकारी, एनसीएल, पुणे) ने "कार्यालयीन संप्रेषण" (Official Communication) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने कुशल तथा प्रभावी कार्यालयीन संप्रेषण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं को रोचक ढंग से स्पष्ट किया।

तत्पश्चात डॉ. ओमकार नाथ शुक्ल (सेवानिवृत्त हिन्दी अधिकारी, आईआईटीएम, पुणे) ने जीवन प्रबंधन (Life Management) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने जीवन को सफल बनाने के लिए किन-किन बातों का प्रबंधन करना चाहिए एवं उनको कैसे अपने रोज के दैनंदिन जीवन में लागू करना चाहिए, इससे संबंधित अनेक उदाहरण देकर स्पष्ट किया, साथ ही उन्होंने जीवन में आई समस्याओं को कैसे दूर करें, तनाव को कैसे कम करें इत्यादि बातों पर भी



अपने प्रभावी विचार प्रस्तुत किए।

तत्पश्चात श्री एम. सेखर (वित्त एवं लेखा अधिकारी, एनसीएल, पुणे) ने वित्तीय प्रक्रिया (Financial Procedure) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में उन्होंने वित्त एवं लेखा विभाग से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसके

साथ ही इन से संबंधित समस्याओं के समाधानों पर भी चर्चा की तथा कार्यशाला में उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों की शंकाओं का समाधान भी किया।

इसके उपरांत श्रीमती पी. सुधा रानी (प्रशा. नियंत्रक, एनसीएल, पुणे) ने फाइल प्रबंधन (File Management) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने

व्याख्यान में उन्होंने कार्यालय में फाइलों के प्रभावी तथा उत्तम प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं को प्रभावी ढंग से स्पष्ट किया।

इस प्रकार 24 अगस्त, 2022 को आयोजित प्रथम दिन की कार्यशाला में कुल चार व्याख्यान हुए, जिसमें स्टाफ सदस्यों/शोध छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। 25 अगस्त, 2022 को आयोजित

श्री एम. के. मिश्र (हिंदी अधिकारी, वैकुण्ठ मेहता सहकारी प्रबंध संस्थान, पुणे) ने "राजभाषा प्रबंधन (OL Management)" विषय पर अत्यंत प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें राजभाषा से संबंधित

25 अगस्त, 2022 को आयोजित द्वितीय दिन की कार्यशाला में कुल तीन व्याख्यान हुए।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में स्टाफ सदस्यों/वैज्ञानिक गण/शोध छात्र इत्यादि कुल 92 लोगों ने भाग लिया। अंत में डॉ. (श्रीमती) स्वाति चट्टा, हिंदी अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस दो

कार्यशाला में सर्वप्रथम श्री विनय कुमार (क्रय एवं भंडार नियंत्रक, एनसीएल, पुणे) ने विभिन्न क्रय प्रक्रियाएँ (Direct Purchase without Quotation & Local Purchase Through Committee) विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न क्रय प्रक्रियाओं से संबंधित विशिष्ट बिंदुओं को अत्यंत सरल रूप से स्पष्ट किया और प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया। तत्पश्चात

विभिन्न नीति/नियमों एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

इसके उपरान्त श्री एस. पी. कोळी (अनुभाग अधिकारी, क्रय एवं भंडार एनसीएल, पुणे) ने क्रय प्रक्रिया (GeM Procedure) पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होंने क्रय से संबंधित नियमों तथा अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान भी किया। इस प्रकार

दिवसीय हिंदी कार्यशाला में आपकी सक्रिय सहभागिता से निश्चित ही राजभाषा कार्यान्वयन को और भी अधिक गति प्राप्त होगी, फिर भी राजभाषा विभाग द्वारा प्रदत्त वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आप सभी के निरंतर सहयोग की आवश्यकता है, उन्होंने सभी कार्मिकों को अपना दैनंदिन कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करने का अनुरोध भी किया।



सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने हिंदी परबवाड़ा समारोह का आयोजन किया

सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में दिनांक 14.09.2022 से 30.09.2022 तक हिंदी परबवाड़ा का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत दिनांक 14.09.2022 को हिंदी सूक्ति पोस्टर प्रतियोगिता



एवं दिनांक 15.09.2022 को तकनीकी लेख प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने काफी अधिक संख्या में अपनी प्रविष्टियां जमा कराईं।

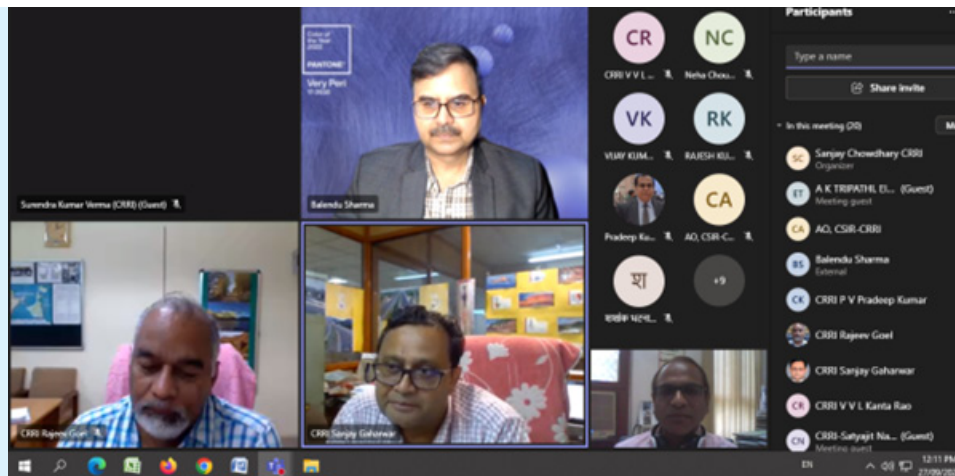
इसी क्रम में दिनांक 15.09.2022 को हिंदी टिप्पण व मसौदा लेखन

प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रति अधिकारियों एवं कार्मिकों के उत्साह को देखते हुए संस्थान में हिंदी प्रश्नोत्तरी की एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

तकनीकी प्रस्तुतीकरण की श्रृंखला में डॉ. कंवर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, जीटीई प्रभाग, सीआरआरआई द्वारा अपने शोधकार्य को हिंदी में प्रस्तुत किया गया। डॉ. कंवर सिंह ने *ek tñk cfu; knh <kp d k çHkkfor fd, fcuk vMj ikl pkjkg d fuek.k dh çfØ;k&i;koj.k dk cpm d fy, u;k dne* विषय पर हिन्दी भाषा में यह प्रस्तुतीकरण दिया। निर्माण की इस प्रक्रिया में पहले से तैयार बक्सों की मदद से अंडर पास चौराहे बनाए जाते हैं। यह प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित है। इसमें संस्थान के वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लिया।

इसके अतिरिक्त संस्थान में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में बाहर के विभिन्न संगठनों/संस्थानों से भाग लेने के लिए आए इंजीनियर व अधिकारीगण भी इस तकनीकी प्रस्तुतीकरण में उपस्थित रहे। अंत में डॉ. कंवर सिंह ने इस विषय से संबंधित शंकाओं एवं प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने भी अपनी जिज्ञासाएं वक्ता के सामने रखीं। इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान के वैज्ञानिक तथा तकनीकी स्टाफ को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संस्थान में हिंदी पखवाड़े के दौरान दिनांक 21.9.2022 को हिंदी तकनीकी प्रस्तुतीकरण कार्यशाला का आयोजन



किया गया जिसमें विभिन्न प्रभागों के वैज्ञानिकों ने हिंदी भाषा में पावरपॉइंट की सहायता से अपने अपने तकनीकी प्रस्तुतीकरणों को प्रस्तुत किया।

कार्यशाला का प्रारंभ प्रो. मनोरंजन परिड़ा, निदेशक, सीआरआरआई द्वारा "मूलभूत संरचनाएं एवं सतत विकास लक्ष्य" विषयक प्रस्तुतीकरण से हुआ। निदेशक महोदय द्वारा मूलभूत संरचना के निर्माण के साथ-साथ यूएन के सतत विकास लक्ष्य को ध्यान में रखने पर बल दिया गया।

श्री आशीष वालिया, वैज्ञानिक द्वारा कुट्टिम मूल्यांकन की अत्याधुनिक तकनीकें विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया गया जिसमें उन्होंने कुट्टिम मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली नवीनतम तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। डॉ. राजीव, वैज्ञानिक ने "सड़क का सही समय पर सही इलाज" विषयक प्रस्तुतिकरण दिया। इसमें उन्होंने पॉट होल्स, गड्ढों एवं अन्य दरारों को सही समय पर भरने की आवश्यकता के बारे में बताया। श्री सचिन गौड़, वैज्ञानिक ने कुट्टिम मूल्यांकन में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) के अनुप्रयोग विषय पर उत्तम प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें उन्होंने कुट्टिम मूल्यांकन के लिए भूमि के अंदर की जाने वाली खुदाई के दौरान प्रयोग में आने वाले रडार के अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी दी।

मध्यांतर के पश्चात डॉ. अनिल कुमार, वैज्ञानिक ने *bxgjh uhoß* नामक विषय पर अपने प्रस्तुतीकरण में भूमि सुधार तकनीक की जानकारी दी। इसके बाद, डॉ. वी.वी.एल. कांता राव, मुख्य वैज्ञानिक द्वारा *l, lh, lvkbvkj Nk=k d l kFk dØhV rduhd k ij vu l /kkuß* विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया। इस प्रस्तुतीकरण में उन्होंने एसीएसआईआर छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया। अंत में श्रीमती कामिनी गुप्ता, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा *blmd l j {kk d fy, u= Vidj dk mi; kxß* विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया जो नवीनतम उपकरण नेत्र ट्रैकर से संबंधित था।

तकनीकी कार्यशाला की समाप्ति से पूर्व डॉ. कंवर सिंह, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक द्वारा तकनीकी कार्यशाला की कार्यवाही का प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमें उन्होंने युवा वैज्ञानिकों द्वारा हिंदी में तकनीकी प्रस्तुतीकरण दिए जाने की प्रशंसा की एवं कार्यशाला के दौरान दिए गए प्रस्तुतीकरणों के प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किया। अनेक वैज्ञानिकों ने तकनीकी प्रस्तुतीकरणों से उत्साहित होकर भविष्य की तकनीकी कार्यशाला के लिए अपने नाम प्रस्तावित किए। अंत में श्री

संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

संस्थान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 22.09.2022 को संस्थान के ऑडिटोरियम में आमंत्रित काव्य पाठ व कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कविता वाचन प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर प्रसिद्ध हास्य कवि एवं कलाकार श्री दीपक सैनी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. नीलिमा चक्रवर्ती, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक इस प्रतियोगिता की सह-निर्णायक थीं। संस्थान के विभिन्न प्रभागों एवं अनुभागों से कई प्रतिभागियों ने कविता वाचन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया तथा अपनी स्वरचित कविताएं सुनाईं। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सात्वना पुरस्कार रखे गए थे। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों की स्वरचित कविताओं के लिए भूरि भूरि प्रशंसा की।

प्रतियोगिता के पश्चात हास्य कवि श्री दीपक सैनी ने सभा में उपस्थित सभी लोगों का अपनी विलक्षण प्रतिभा के द्वारा मनोरंजन किया। श्री दीपक सैनी ने अपने काव्य पाठ, अद्भुत मिमिक्री एवं माउथ ऑर्गन पर शानदार प्रदर्शन से पूरे कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। संस्थान के सभी अधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, तकनीकी स्टाफ एवं प्रशासनिक स्टाफ भारी संख्या में उपस्थित रहे।

दिनांक 23.9.2022 को हिंदी संपर्क कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में संस्थान के आर एंड डी एवं प्रशासनिक अनुभागों में जाकर

स्टाफ द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया, उनकी समस्याओं के बारे में बात की गई एवं उनका यथासंभव समाधान किया गया। संपर्क कार्यशाला को दो चरणों में सम्पन्न किया गया। प्रथम चरण में आर एंड डी प्रभागों यथा जीटीई, अनुसंधान एवं के आरसी प्रभागों का कार्य देखा गया।

दूसरे चरण में भंडार व क्रय, वित्त व लेखा, स्थापना-1, स्थापना-2 एवं कार्मिक अनुभाग जैसे संस्थान के प्रशासनिक अनुभागों का निरीक्षण किया गया एवं उन्हें राजभाषा में कार्य करने का महत्व भी बताया गया।



इस संपर्क कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्थान में, विशेषकर प्रशासनिक अनुभागों में राजभाषा क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन करना एवं हिंदी में कार्य को प्रोत्साहित करना था। इसके लिए फाइलों पर संपन्न हिंदी कार्य धारा 3(3) का अनुपालन कंप्यूटर में हिंदी कार्य की सुविधा व हिंदी कार्य की मात्रा डाक व प्रेषण सहित सभी रजिस्ट्रों के रखखाव व हिंदी कार्य की स्थिति हिंदी में प्रदर्शन सामग्री की स्थिति आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया। संपर्क कार्यशाला के दौरान भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति हेतु संस्थान के कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यथावश्यक प्रशासनिक शब्दावली का वितरण भी किया

गया।

दिनांक 27 सितंबर 2022 संस्थान में 14 सितंबर से 30 सितंबर 2022 के मध्य मनाए गए हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 27 सितंबर 2022 को ऑनलाइन माध्यम से तकनीकी कार्यशाला व प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें माइक्रोसॉफ्ट में निदेशक (स्थानीकरण) के रूप में कार्यरत श्री बालेंदु शर्मा दाधीच को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, टेक्सटिंग, गूगल वॉइस टाइपिंग, इंडिक कीबोर्ड आदि पर बहुमूल्य जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने भाषा इंडिया पेज के बारे में उपस्थित लोगों को अवगत कराया जिससे सभी भारतीय भाषाओं का समृद्ध ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। तकनीकविद श्री बालेंदु शर्मा दाधीच ने मशीन अनुवाद, ध्वनि से टेक्स्ट, भाषांतर आदि की जानकारी दी तथा इसमें कार्य करने की विधि बताई।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों से हिंदी में उपलब्ध डिजिटल सुविधाओं, सॉफ्टवेयर आदि से संबंधित प्रश्न पूछने का आग्रह किया गया एवं आमंत्रित विशेषज्ञ ने उनकी शंकाओं का समाधान किया। Mr duhd l cnryrh fgnh dh nfu; kM विषय पर केंद्रित तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम को अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अन्य प्रतिभागियों ने अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं निश्चित रूप से सफल बताया। भविष्य में श्री बालेंदु शर्मा दाधीच से संस्थान में आकर ऑफलाइन माध्यम से व्याख्यान देने का अनुरोध किया गया।

दिनांक 28.09.2022 को हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत हिंदी कार्य की प्रगति का आकलन करने के लिए राजभाषा

कार्यान्वयन समीक्षा कार्यक्रम को प्रत्यक्ष रूप से संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सरकारी कार्य करने के दौरान राजभाषा हिंदी में टिप्पणी लेखन, धारा 3(3) का अनुपालन और पत्राचार में वृद्धि के लिए अनुभागों एवं प्रभागों द्वारा अब तक किए गए विशेष प्रयासों एवं प्रतिशत वृद्धि का आकलन किया गया।

डॉ. राजीव कुमार गर्ग, मुख्य वैज्ञानिक डॉ. मुक्ति आडवानी, प्रमुख, केआरसी तथा श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी ने इस समीक्षा कार्यक्रम को संपन्न किया। समीक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य संसदीय राजभाषा समिति के दिशा निर्देशों के अनुसार एवं भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी की उत्तरोत्तर प्रगति का आकलन एवं निरीक्षण करना था।

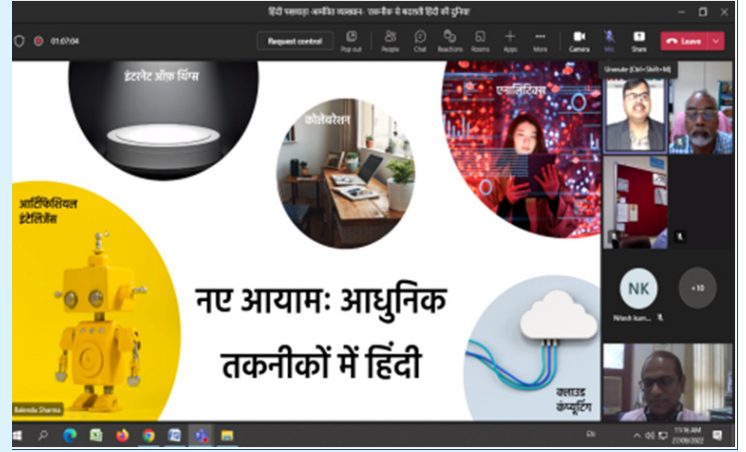
समीक्षा के दौरान अनुभागों में जाकर उनके द्वारा फाइलों पर संपन्न हिंदी कार्य, कंप्यूटर में हिंदी टाइपिंग की स्थिति और हिंदी कार्य की मात्रा, डाक व प्रेषण रजिस्टर के रखरखाव की स्थिति, हिंदी में प्रदर्शन सामग्री और लेखन सामग्री में द्विभाषिकता के पालन की स्थिति आदि का अवलोकन किया गया। हिंदी में मुद्रित सामग्री, नामपट्ट, मुलाकाती कार्ड, प्रकाशन की स्थिति एवं पत्राचार में हिंदी का प्रयोग जैसे बिंदुओं के अनुपालन पर चर्चा की गई और हिंदी कार्य की प्रगति का आकलन

किया गया।

सभी संबंधितों को यथास्थिति सुझाव दिए गए तथा उनके कार्य की प्रकृति के अनुसार हिंदी में कार्य बढ़ाने की संभावना वाले क्षेत्रों में राजभाषा नियमों के पालन के लिए स्मरण कराया गया।

लेखन संस्थान में मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़े के अंतिम दिन हिंदी पखवाड़ा समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अनामिका ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। सर्वप्रथम श्री संजय चौधरी, हिन्दी अधिकारी ने मुख्य अतिथि के साहित्य संसार से सबका परिचय कराया। इसके पश्चात् डॉ. अनामिका ने "विषय पर उद्बोधन" विषय पर उद्बोधन दिया। डॉ. अनामिका से उनकी रचना प्रक्रिया पर बातचीत की गई। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों ने उनकी कविताओं एवं लेखन के विषय में अपनी अपनी जिज्ञासाएं भी रखीं। इस क्रम में उन्होंने अपनी कई सुप्रसिद्ध कविताएं सुनाकर



कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को साहित्य से जुड़ने का अवसर दिया तथा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया।

हिंदी पखवाड़ा 2022 के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं एवं पुरस्कार योजना के विजेताओं को निदेशक महोदय एवं मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान श्री मनोरंजन परिड़ा, निदेशक महोदय ने सभा को संबोधित किया। मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में श्री विरंची सारंग, प्रशासन अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

मंच के संचालन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी का विशेष योगदान रहा। संस्थान के हिंदी प्रेमी स्टाफ एवं काफी संख्या में अन्य सभी स्टाफ ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया।